५

वैद्यक शब्द कोश

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

❀ श्री धन्वन्तरयेनमः ❀

वैद्यक शब्द कोष

लेखक व प्रकाशक —

चि० चू० पं० विश्वेश्वरदयालु जी वैद्यराज

सम्पादक—'अनुभूत योगमाला"

बरालोकपुर-इटावा यू० पी०

चतुर्थबार ५०० सन् १९७० ई० मूल्य [redacted]

चि० चू० पं० विश्वेश्वरदयालु जी वैद्यराज के प्रबन्ध से
श्री हरिहर प्रेस, बरालोकपुर इटावा में मुद्रित।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

प्रकाशक की प्रार्थना

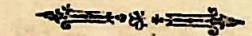

इस समय मनुष्य की आयु और बुद्धि बहुत थोड़ी है, इसीलिये समस्त ऋषिप्रणोत ग्रन्थों का कण्ठस्थ रखना सम्भव नहीं है, एसी दशा में जब निघन्टुकृत शब्दों का कहीं अप्रलित शब्द श्लोक में आ जाता है तो विद्वानों को अवाक रह जाना पड़ता है और बहुत परिश्रम से उसका पता लगाना पड़ता है, कभी २ पता नहीं भी मिलता है इस कठिनताको दूर करने केलिये मैं बहुत परिचिन्तित था किन्तु अकारादि क्रम से शब्दों का कोष तैयार करने से वह असुविधा दूर होगई, यद्यपि ऐसा करने में हमें बहुत श्रम और खर्च करना पड़ा था ओर पुस्तक भी इतनी बड़ी बन गई कि हम एक दम उसके छपाने से झिझक उठे इसीलिये उस प्रति को जो १२ निघन्टु ग्रन्थों की खोज से लिखी गई थी स्थगित कर सिर्फ एक निघन्टु के आधार पर नमूना स्वरूप केवल काष्ठौषधि शब्द प्रकाशित कर यह देखने की इच्छा हुई कि देखें इससे कितना लाभ होता है और ऐसे कोष को कितनी मांग होती है क्या २ इसमें और बढ़ाने से यह विशेष उपकारी हो सकता है कुछ मेरी अल्प मति एवं प्रेस कर्मचारियों की असावधानी से इसमें कुछ भेद पड़ जाना निहायत सम्भव है, विद्वज्जन उसे सम्भाल कर मुझे सूचित करदें ताकि अन्य संस्करणों में मैं उसे ठीक कर सकूं, आशा है कि सर्व प्रकार से मेरे उत्साह को बढ़ावेंगे, ताकि अन्य पूर्ण कोष काष्ठौषधि एवं धातु औषध शब्द युक्त "वैद्यक शब्द कोष" को प्रकाशित करके शीघ्र से शीघ्र इस कसी को पूरा करने में समर्थ होऊं—यदि उसमें कुछ भी लाभ विद्वानों व विद्यार्थियों को हुआ तो मैं अपने श्रम को सफल समझूंगा, ईश्वरेच्छा से इसका यह चतुर्थ संस्करण आपके हाथ में है।

बिदुषांविनीत:—

वैद्यराज:

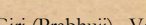

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

निधाय विश्वेशपदाम्बुजं हृदि विधायविन्ध्येश्वरिपादपङ्कजम् ।
विलिख्य विश्वेश्वर वैद्यशास्त्रिणा प्रकाश्यते वैद्यकशब्दकोषकः ॥
समस्तशास्त्राम्बुधिवीचिमचिताननेकशस्संस्कृतशब्द मौक्तिकान् ।
विचीयमानेनमयाप्रकाशितो हितायतेषां खलु रोगहारिणाम् ॥

अ

अङ्कोटः	पु	अकोड़ा, ढेरा
अङ्कोल	,,	अकोड़ा
अक्षः	,,	बहेरा
अक्षीरं	नपु०	समुद्रशोष
अक्षीवः	पु०	सहिजना
अङ्गारकः	,,	घमरा कलि, हारी, पलासपुष्प
अङ्गारवल्ली	स्त्री०	भारंगी
अग्निकः	पु०	भिलावा
अग्निमुखी	स्त्री०	,,
अग्निमन्थः	पु०	इरणी, इन्नी
अग्निसंस्पर्शा	स्त्री०	पर्पटी सुगन्ध द्रव्य उत्तरदेशे
अग्निशिखा	स्त्री०	कलिहारी
अगुरु	नपु०	अगर
अञ्जनकेशी	स्त्री०	नीलका नाड़ीशाक
अजमोदा	,,	अजमोद
अजमोदिका	,,	,,
अजरा	,,	कपिकच्छू (दोंदिया)
अजश्रृंगका	,,	मेढ़ासिंगी
अजश्रृंगी	,,	काकड़ासिंगी
अजाजी	,,	सफेद जीरा कालाजीरा
अटरूषकः	पु०	अरूसा
अतितपस्वनी	स्त्री०	गोरखमुन्डी निर्गुन्डी
अतिबला	,,	ककहिया
अतिरुहा	,,	मांसरोहिणी कपिकच्छू
अतिलम्बी	,,	सोंफ
अतिविषा	,,	अतीस
अदन्डवः	पु०	सफेद एरण्ड
अधःशल्यः	,,	चिरचिरा
अनलः	,,	चित्रक चीता
अन्धकः	,,	तुम्बरु तेजबल के बीज
अनार्यकः	,,	अगर
अनन्ता	,,	धमासा शरिवा यवासा
अपराजिता	,,	अपराजिता विष्णुकान्ता

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

अपामार्गः स्त्री० चिरचिरा
अंभमूलकः पु० पटेरा यहजल में होता है
अभया स्त्री० हरड़ (हर्र)
अभ्रपुष्प न० वेतस (बेत)
अमरबल्ली स्त्री० अमरबेल वृक्षों पर पीले तार से होते हैं
अमृतवल्लरी स्त्री० गुर्च, गिलोय
अमृता ,, गुर्च, गिलोय हर्र, आंमला
अमृणालं न० उशीर, लामज्जक
अमोघा स्त्री० वायविडङ्ग
अम्बष्टा ,, पाठा, आमड़ा
अम्बष्टकी ,, ,,
अम्बुजः पु० हिज्जल निचुल
अम्बालिका स्त्री० मांचिका
अम्बिका ,, पोदीना पाठा
अम्बुनामकं न० सुगन्धवाला
अरलु पु० सोनापाठा
अरिष्टः ,, लहसन, नीव, रीठा
अरुणा स्त्री० मजीठ, अतीस
अरुष्कः पु० भिलावा
अरुष्करः ,, भिलावा
अर्कपर्णः ,, रक्त आक
अर्कपर्णी स्त्री० बृहद्दन्ती
अर्द्धिकर्णिका ,, महाशतावरी
अर्द्धचन्द्रा स्त्री० काला निशोथ
अर्द्धतिक्ता पु० चिरायता
अलर्कः ,, सफेद आक
अलम्बुषा स्त्री० मुन्डी, तरोई
अतिवल्लभा ,, पीली पाढ़ घंटापारूल
अवदाहकः पु० लामज्जक, उसीर
अवल्गुजः ,, बाकुची
अब्धिकफः ,, समुद्र नमक समुद्रफेन
अव्यथा स्त्री० हर्र, निरगुन्डी
अशोका ,, कुटको
अश्मघ्न पु० गेरू, पाषाणभेद
अश्मन्तकः ,, रक्त कचनार अम्लोलणिका
अश्वगन्धा स्त्री० असगन्ध
अश्वत्थफला ,, हाऊबेर
अश्वमारकः पु० कंडेल, करवीर
अस्थिशृंगला ,, हस्तिचिघारी
अस्थिसंहारकः ,, हरसिङ्गार
अस्थिसंहारी स्त्री० हड़जोड़
अहिपर्णी ,, पृष्टपर्णी
अहिफेनकं न० अफीम
अहिफेन ,, ,,
आकाशी स्त्री० अमरबेल
आखुपर्णी ,, बड़ीदंती, मूषाकर्णी
आटरुषः ,, अरूसा

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

आत्मगुप्ता स्त्री० कपिकच्छू (दोंदिया)
आद्रकं न० अदरख
आद्रिका स्त्री० ,,
आफूकं न० अफीम
आमलकं ,, आंमला
आम्रगन्धा ,, कर्पूरहल्दी
आमण्डु पु० सफेद अड
आरग्वधः ,, अमलतास
आरवेतः ,, ,,
आसुरम न० काला नमक
आस्फोता स्त्री० विष्णुकान्ता

[इ]

इक्ष्वालिका स्त्री० कांस
इक्षुगन्धा ,, विदारीकंद तालमखाना
इक्षुगंधिका ,, गुखुरू
इक्षुरः ,, तालमखाना
इक्षुरसः ,, कांस ईख का रस
इक्षुबालिका स्त्री० तालमखाना
इङ्गलः पु० समुद्रफल
इन्दीवरी स्त्री० शितावर कमल
इन्द्रः पु० कुड़ा कुरैया
इन्द्रयव न० इन्द्रजौ
इन्द्रवारुणी स्त्री० इन्द्रायन
इष्टकापर्व न० लामज्जक छुईमुई

[उ]

उग्रगंधः पु० लहसन
उग्रगधा स्त्री० अजवान वच, कुलिञ्जन
उग्रा ,, वच
उत्कटं न० तेजपात
उत्तानपत्रकः पु० लाल अण्ड
उत्पलं न० कमल
उदकीर्य्यः पु० कंजी
उद्गारशोधन ,, कालाजीरा
उदीच्यं न० सुगन्धवाला
उदुम्बरपर्णी स्त्री लघुदन्ती
उन्मत्तः ,, पु० धतूरा
उपकलिका ,, कालाजीरा
उपकुञ्चिका ,, कलौंजी, इलायची छोटी
उपकुञ्ची ,, कलौंजी
उपचित्रा ,, दन्ती
उपविषा ,, अतीस
उरच्छः पु० पटेरा
उरबूकः ,, रक्त अण्ड
उष्णा स्त्री० पीपर

[ऊ]

ऊष्णं नपु० पीपर, सोंठ पीपरामूर, चीता

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

[ऋ]

ऋषभः पु० ऋषभक
ऋष्यः ,, ककहिया
ऋषयमोक्ता स्त्री० महाशितावरी

[ए]

एकाष्टीला स्त्री० पाठा
एडगजः पु० चक्रमर्द, पमार बीज
एरका स्त्री० मेंथी
एरण्डवः पु० सफेद एरण्ड
एरण्डफला स्त्री० दन्ती छोटी
एलवालुकं नपु० कंकोल समान-कुष्ट गन्ध
एला स्त्री० छोटी इलायची
एलापर्णी ,, रास्ना
एलालुः पु० एलवालुकाख्य गन्ध द्रव्य

[ऐ]

ऐन्दी स्त्री० इन्द्रवारुणी

[ओ]

ओदनिका स्त्री० वरियारा
ओदनाह्वया ,, ,,

[औ]

औद्भिदं नपु० रेह नमक

नोट—समाप्तं स्वरादि वर्गम् ।

[क]

ककन्तिका स्त्री० ककहिया
ककून्दनी ,, मालककुनी
कच्छुरा ,, केवांच धमासा (यवासा)
कंगुनी ,, माल कंगुनी
कटफलः ,, कैफरा
कटुभी स्त्री० मालककुनी
कटुपर्णी ,, चोक लकड़ी
कटुम्भरा ,, कुटकी
कटुराहिणी ,, ,,
कटुभद्रम् नपु० सोंठ
कटुत्रिकम् ,, सोंठ, मिर्च पीपर
कट्वी स्त्री० कुटकी
कठिल्लकः पु० करेला, लाल पुर्ननवा
कटं कटंरी स्त्री० दारुहल्दी
कट्वङ्ग पु० मोनापाठी
कण्टकिनो स्त्री० भटकटैय्या
कण्टकारी ,, ,,
कण्ठालिका ,, ,,
किणही ,, चिरचिरा
कण्डुरा ,, दोंदिया बीज कोंच बीज
कदंवपुष्पिका ,, गोरखमुण्डी
कन्या ,, श्वेत सारिवा ग्वारपाठा, वाभूखसा

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

कनकाह्वयः पु० धतूरा
कपालकं न० सरहटी गंडिनी
काकवल्ली स्त्री० गजपीपल
कपितैल न० शिलारस
शिलाजीत
कपिनामकं ,, ,,
कपिलच्छाया स्त्री० कस्तूरी
कपित्थ न० एलवालुक,
कैथ
कपिकच्छुः पु० दोंदिया
बीज
कपिवल्ली स्त्री० चिरचिरा
कपिल्लकः पु० रक्त पुर्ननवा
कबीला
कपिला स्त्री० रेणुका
बीज
कपोत चरणा ,, नलिका
कुपीतकं न० दारुहल्दी
कुमारी स्त्री० ग्वारपाठा
करहाटकः पु० मैंनफल
कर्कशः ,, कबीला
कर्णिकार ,, अमल-
तास
कर्कटशृंगी स्त्री० काकड़ासिंगी
कर्कटाख्या ,, ,,
कर्कटी स्त्री० देवदाली
कर्चूरः पु० कचूर
कर्पूरः ,, कपूर
कर्पूरा स्त्री० कर्पूर
हल्दी
कर्षफल त्रि० बहेरा
करभंजिका स्त्र० कञ्जी
करवीरः पु० श्वेत कड़ैल
करञ्जः स्त्री० कञ्ज
करञ्जी स्त्री० कंजी
कलघंटीका ,, रक्त सारिवा
कलशी ,, पृष्टपर्णी
कल्पकः पु० मेदा कचूर
कवरी स्त्री० हिंगुपत्री
कवच नामक पु० पित्तपापरा
कषाया स्त्री० धमासा
(यवासा)
काकजंघा स्त्री० काकजंघा
कार्कातक्ता ,, ,,
कार्कतुण्डफला ,, कन्नाटेरों
काकनासा
काकनासा ,, कन्नाटेरो
काकपीलुः पु० रक्त गुञ्जा
काकमाची स्त्री० काली मकोई
काकचिंची ,, रक्त गुञ्जा
काकवल्लरी ,, स्वर्णवल्ली
काकपर्णी ,, मूंगपर्णी
काकमुरदा ,, मूंगपर्णी
काका ,, काकजंघा
काकाङ्घी ,, कन्नाटेरो घास

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

काकादनी स्त्री० रक्त गुञ्जा
काकानन्ती ,, ,,
काकायु ,, स्वर्णवल्ली
काकाह्वा ,, काकमांची
काकेच्छुः पु० तालमखाना
काखोली स्त्री० अजमोद
कांचनखः पु० श्वेत कचनार
कांचनारः ,, ,,
कांचनाह्वय ,, नागकेशर
कांचनी स्त्री० हल्दी
कांडतिक्त पु० चिरायता
कांडरुहा स्त्री० कुटकी
कांडेक्षुः पु० तालमखाना
कान्ता स्त्री० प्रियंगु माल-
ककुनी
काम्भोजी ,, उरदपर्णी
कांम्पिल्लः पु० कबीला
कायस्था स्त्री० हर्र
कार्पासी ,, कपासी
कालदोला ,, नील
कालकेशी ,, ,,
कालकेषिका ,, काला निशोथ
मजीठ
कालस्थली ,, पीली पाढ़
कालानुसार्य्यकं न० भूर छरीला,
तगर
कालसारं न० पीला चन्दन
कालनुसार्य्य ,, तगर
कालीयं न० पीला चन्दन
कालीयकं ,, अगर
काला स्त्री० मजीठ
कालाजाजी ,, कलौंजी
कामुंकः पु० वकायन
कारवी स्त्री० कलौजी सौंफ
चन्द्र सूर
कलिङ्ग न० इन्द्रजौ, कुड़ा की
छाल
कालीयकः पु० दारुहल्दी
कालेयकः ,, ,,
कालभेषी स्त्री बकुची
काश्मरी न० पोहकरमूल
कुंमकुम
काश्मरी स्त्री० कस्तूरो,गंभारी
काशेक्षुः पु० कास
काश ,, ,,
काश्मरी स्त्री० गंभारी खंभारि
काष्टपाटल ,, स्वर्ण पाटला
कितवः पु० भटेउरग्रन्थपण भेद
किरातः ,, चिरायता
किरातकः ,, ,,
क्लीतक न० मोरेठी
क्लीतनकं ,, ,,
क्लीतका स्त्री० नील
कोटः पु० कुढ़ा
कीटमोता स्त्री० हंसपदी,हंसराज
कुक्कुर न० गगेरन पर्णिभेद
कुंकुमः पु० कुंकुम, केशर

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

कुण्डली स्त्री० गुर्च, रक्त कचनार
कुरुविन्दः पु० मोंथा
कुटिलं न० तगर
कुचन्दनं ,, वक, पीत चन्दन
कुन्द पु० कुन्दुरूगोंद, लोवान
कुन्दरु ,, ,,
कुकुन्दर ,, कुन्दर
कुलक ,, कुचलो
कुपीलुः ,, ,,
कुमारी स्त्री०ग्वारपाठा वा भूखसा
कुम्भिका ,, कैफरा
कुमुदिका ,, ,,
कुञ्जरा ,, धाय के फूल
कुसुम्भम् न० ,,
कुच्ची पु० कलौंजी
कुरनटी स्त्री० धना
कुस्तुम्बुरुः पु० धनियां
कुच्चिका ,, मेंथी
कुटजबीजं न० इन्द्रजौ
कुलीरविषाणिका स्त्री० काकड़ा-सिङ्गी
कुबेराक्षी स्त्री० पीलीपाठ
कुस्तालू पु० गूगर
कुटन्नटं न० कैवर्तीमोंथा
कुली स्त्री० फलकटैया
कुद्दारः पु० रक्त कचनार
कुनाशकं ,, जवासा
कुशः ,, कुश
कुटज पु० कुढ़ा
कृमिघ्न ,, वाइविडङ्ग
कृमिघ्ना स्त्री० हल्दी
कृमिज न० अगर
कृमिजग्धं ,, अगर
कृष्णं ,, कालीमिर्च
कृष्णजीरक पु० कालाजीरा
कृष्णभेदा स्त्री० कुटकी
कृशोदरी ,, श्वेत सारिवा
कृष्णफला ,, वाकुची
कृमिघ्न न० देवदारु
कृष्णा स्त्री० क्षेतपापड़ा उरदपर्णी
कृष्णवृन्ता ,, खम्भारि पीलीपाठ
कृष्णला ,, श्वेत गुञ्जा
कृशा ,, रोहिणी
कृत्तपालः पु० अमलतास
केशपर्णी स्त्री० रक्त चिरचिरा
केशनामकं न० सुगन्धबाला
केशरः पु० नागकेशर
केशराजः ,, घमरा
केशी ,, माचिका
केरवी ,, मेंथी, बनमेंथी
कैरातः ,, चिरायता
कैवर्तकं न० कैवर्तीमोंथा
कोलः पु० पीपर, बेर
कोलबल्ली स्त्री० गजपीपर
कोकिलाक्षः पु० तालमखाना

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

कौरङ्गी स्त्री० छोटी इलायची
कोटिवषालकः पु० पिडंशाक
कोविदारः ,, रक्त कचनार
कौर्ष्या स्त्री० विदारीकन्द
कोडकसेरुकः पु० नागरमोथा
कोशातकी स्त्री० लौकी, तुरई
कोलकः पु० शीतलचीनी
कोष्टूविन्ना स्त्री० पृष्टपर्णी
कौन्ती ,, रेणुका बीज

[ग]

गण्डीरी स्त्री० मजीठ
गण्डारिः पु० श्वेत कचनार
गण्डाली स्त्री० गांठ, दूर्बा सर हठी, गण्डिनी
गंडदूर्बा ,, गांठ दूब
गणकारिका ,, इक्षी अरनी
गन्धनाकुली ,, खम्भारी
गंधसारः पु० श्वेत चन्दन
गंधकुटी स्त्री० मूर्वा
गंधमूलिका ,, मेदाकचूर
गंधवधू ,, ,,
गंधपलासी ,, ,,
गंधकोकिला ,, सुगन्ध द्रव्य
गंधमालती ,, कुन्दुरु सुगन्ध
गंधवैहस्तकः पु० श्वेत अंड
गंधाता स्त्री० असगंध
गंधारी ,, जत्रासा
गञ्जा ,, भांग
गर्दभा स्त्री० श्वेत कटैया
गर्भनुत ,, कलिहारी
गवादनी ,, इन्द्रवारुणी
गवाक्षी ,, ,,
गरागदी ,, देवदाली
गंगेरुकी ,, गंगेरन गुलशकरी
गरभित ,, गेरू
गिरकर्णी ,, विष्णुकान्ता
गिरमल्लिका ,, कुड़ा
गिरसानुजा ,, त्रायमाण
गुटिः ,, छोटी इलायची
गुण्डाख्यं न० सांभर नमक
गुन्द्रा ,, नागरमोंथा
गुन्द्रफला ,, मालकाकनो
गुच्छकं पु० ग्रन्थपर्णी
गुडहाशकः ,, भंटेऊर, नैपालीय द्रव्य
गुडूची स्त्री० गिलोय
गुहा ,, शालिपर्णी
गुडा ,, सेहुँड़
गुणरूप पु० श्वेत आक
गुन्द्रमूला स्त्री० मोंथा तृण
गुन्द्रा ,, मोंथा तृण पटेरा
गुह्यवीज न० भूतृण
गृष्टिः पु० बिदारीकन्द
गृहकन्या स्त्री० ग्वारपाठा

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

ग्रन्थिमान् पु० हरसिंगार
ग्रन्थिकं ,, पीपरामूर, ग्रन्थिपर्णी
ग्रामीणा स्त्री० नील
गोलोमी ,, वच, श्वेत दूर्वा
गोरोचना ,, गोरोचन
गोक्षुरा पु० गुखुरू
गोकंटक ,, ,,
गोक्षुरकः ,, ,,
गोपी स्त्री० कृष्ण सरिवा श्वेत सारिवा
गोपवधू ,, ,,
गोपा ,, ,,
गोपवल्ली ,, ,,
गोजिह्वा ,, वनगोभी
गोजिका ,, ,,
गोभी ,, खाने वाली

[घ]

घंटापाटलिः पु० घंटापारुल, सफेद पाठ
घंटा स्त्री० शणपुष्पी, चिहुली
घ्राण दुःखदा ,, नकछिकनी
घृतपूर्ण करंज पु० कञ्जघोटा
घुणप्रिया स्त्री० दन्ती छोटी
घुसृणं पु० कुंकुंम, केशर
घुणबल्लभा स्त्री० अतीस
घृत कुमारिकः ,, ग्वारपोठा घीकुमारी

[च]

चक्रकारकं० न० नख
चक्रमर्द स्त्री० चकवड़ पमार
चक्रक्षणिका ,, गुर्च, लक्ष्मणा
चक्रवर्तिनी ,, पर्पटी, पद्माख
चक्षुवेष्टलः पु० शरपत, रामशर
चक्रांगी स्त्री० कुटकी
चक्राम्ला ,, सुदर्शन
चक्री पु० चकबड़
चण्डातः ,, करबीर (कडेल)
चटकाशिरः पु० स्त्री० पीपरामूर
चतुरुषणं पु० त्रिकुटा पोपरामूल
चतुरङ्गालः पु० अमलतास
चपला स्त्री० पीपल
चन्दशूरः ,, हालों
चन्दः ,, कबीला
चमरिकः ,, रक्त कचनार
चर्महंत्री ,, हालों
कर्मकषा ,, थूहर, सेहुड़भेद
चर्मकरी ,, रोहिणीं
चर्मकरानुकः पु० विदारीकन्द
चविकाफलं न० गजपीपर
चन्निका स्त्री० मेंथी

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

[छ]

छर्दनः	पु० स्त्री०	मैंनफल
छत्रा	स्त्री०	घना सोंफ
छत्रिका	,,	सोंफ
छिक्कनी	,,	छिकनी
छिक्किका	,,	,,
छिन्ना	,,	गुर्च
छिन्नरूहा	,,	,,
छिन्नोद्भवा	,,	,,
छिलिहिण्टः	पु०	पातालगरुडी

[ज]

जटा	पु०	तरुमूल जटामांसी
जटिला	,,	बच जटामांसी
जतुः	,,	लाख
जतुका	स्त्री०	श्वेत पापड़ा
जतु कृष्णा	,,	,,
जतुकनत	,,	,,
जतुकं	न०	हींग
जननी	स्त्री०	श्वेत पापड़ा पर्पटी
जम्बुक प्रियं	न०	भूतृण
जम्बु नाशनः	,,	वाइबिरंग
जयः	,,	अग्निमंथ
जया	स्त्री०	भांग (जयतिया)
जयन्ती	,,	इन्नी, जयन्ती
ज्योतिष्मती	स्त्री०	मालककुनी
जयपालः	पु०	जमालगोटा
ज्योतिष्कंठ	,,	मालकाकुन
जलवेतसः	,,	जलवेत
जलकामुका	,, स्त्री०	अर्कपुष्पी
जल कारिका	,,	लज्जालु० लजवन्ती
जलपिप्पल	,,	पनसिगो, जल पीपर
ज्वरांतकः	,,	चिरायता
जातिगंधफला	स्त्री०	मेंथी
जातिकोशं	न०	जायफर
जातिपत्री	स्त्री०	जावित्री
जीमूतः	पु०	देवदाली
जीर्णपत्र	,,	पठानीलोध
जीरकः	,,	सफेद जीरा
जीरणः	,,	सफेद जीरा
जीबन्ती	स्त्री०	हर्र, गुर्च, शाक विशेष
जीवनी	,,	जीबन्तीशाक
जीवनीया	,,	,,
जीवः	पु०	बकायन
जीबा	स्त्री०	जीबन्ती शाक

[झ]

झषा	स्त्री०	गंगेरन गुलशकरी

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

[ट]

टुण्टुकः पु० सोना पाठा
टंकणं न० सुहागा
टंकारी स्त्री० टंकरि
रक्तपुष्पा अग्निमंथ

[ड]

डिण्डीरः पु० समुद्रफेन

[त]

तगरं न० तगर
तण्डुलः पु० वायविरङ्ग
तन्त्रि स्त्री० गुर्च
तनुत्वक पु० दारचीनी
तपस्विनी स्त्री० जटामांसी मुन्डी
तपोधना ,, मुण्डी
तमालपत्रं न० पत्रज
तरुणः पु० सफेद अंड
तरुणध्वज ,, बांस
त्वचिसारः ,, बांस
त्वक्सारक ,, बांस
त्वक्क्षीरी स्त्री० वंशलोचन
त्वक पत्र न० तेजपात
त्वक पु० स्त्री० दालचीनी
त्वाष्ट्री ,, ब्राह्मी
ताम्बूलवल्ली ,, पान
ताम्बूली ,, ,,
ताम्रपुष्पी ,, पीलीपाठ
ताम्रपुष्पः पु० रक्तकचनार
तामलकी स्त्री० आंवला, मूसली
ताम्रपुष्पी ,, धाय धवईपुष्प
ताम्रः पु० अरूसा, तांवा
ताम्रचूडः ,, कुन्दुरू
तार्क्ष्यशैलं न० रसोत
तार्क्ष्यज ,, ,,
तालमूली स्त्री० मूसलीकन्द
तिक्तः पु० नीव, कुटकी
तितिडीफल न० जमालगोटा तिन्तडीक
तिरीटः पु० लोध
तिलपर्णी न० लाल चन्दन
तीक्ष्णतंडुला स्त्री० पीपर
तीक्ष्णगंधकः पु० सहिंजन
तुगा स्त्री० वंशलोचन
तुगाक्षीरी ,, ,,
तुंत्था ,, नील, छोटी इलायची
तुरुष्कः पु० शिलारस
तूरी स्त्री० धतूरा
तूली ,, नील
तेजनी ,, मूर्वा, दाल-चीनी
तेजनः पु० रामशर
तेजस्वनी स्त्री० दालचीनी तेजपात
तेजवती ,, तेजबल

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

तेजोह्वा स्त्री० तेजबल
तैलपर्ण न० ग्रंथिपर्ण
तैलपर्णिक: पु० सफेद चन्दन

[द]

दण्डहस्ती पु० पिण्डतगर
दद्रुघ्न ,, चकवड़
दन्तबीज न० जमालगोटा
द्रवन्ती स्त्री० दन्ती वड़ी
दर्भ पु० कुश
दशमूलं न० लघु बृहत-दोनोंपञ्चमूलयुक्त
दार्वी स्त्री० दारुहल्दी आमाहल्दी
दर्वीन्द्रं न० देवदारु
दार्विका स्त्री० बनगोभी
द्राविणं न० बिडनोन कचूर
द्राविणी स्त्री० छोटी इलायची
द्राक्ष: पु० ऋषभक दाख
दारुभद्र: ,, आमाहल्दी
दारुसिता स्त्री० दालचीनी
दारु न० देवदारु
दारुहरिद्रा स्त्री० दारुहल्दी
दासपुरं न० कैवर्ती मोंथा
दासी स्त्री० काकजंघा
द्विजा ,, रेणुका
दिव्या ,, ब्राह्मी
दीपनी स्त्री० मेंथी
दीप्यक: पु० अजमोद अजवायन
दीप्या स्त्री० अजवाइन
दीप्यका ,, ,,
दीर्घजीरक: पु० सफेद जीरा
दीर्घबृन्त ,, सोनापाठा
दीर्घफल: ,, अमलतास
दीर्घपत्रा स्त्री० शालिपर्णी (सरिवन)
दीर्घदंड पु० सफेद जीरा
दीर्घपत्रा ,, लहसन, प्याज
दीर्घपत्रिका स्त्री० श्वेत पुनर्नवा
दीर्घाङ्गी ,, शालिपर्णी
दुग्धिका ,, दुधी
दुग्धगर्भा ,, श्वेत सारिवा
दुग्रहा ,, चिरचिरा
द्रुकिलिम न० देवदारु
दुर्गन्धि: पु० प्याज
दुरालंभा स्त्री० धमासा
दुरालभा ,, ,,
दु:प्रधर्षिणा ,, फल कटैय्या
दु:स्पर्शा ,, भटकटैया, धमासा
दु:स्पर्शा: पु० कपिकच्छू
देवदारु ,, देवदारु
देवकुसुम न० लोंग
देवधूप पु० गूगर

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

देवी	स्त्री०	पिण्डशाक मूर्वा
देवनिर्मिता	,,	गुर्च
देवदाली	,,	कटु तुरई
देवतांडी	,,	,,
देवता	,,	धतूरा
दैवजग्धं	पु०	कतृण
द्रेका	स्त्री०	वकायन
देत्या	,,	मूर्वा
द्रोणपुष्पी	,,	गूमा
द्रोणा	,,	,,

[ध]

धत्तूरः	पु०	धतूरा
धन्वयास	,,	जवासा
धनहरा	,,	चोरकगंध द्रव्य
धमनः	,,	नरकुल
धमनी	स्त्री०	नाड़िका
धर्मपत्तनं	न०	कालीमिर्च
ध्वांक्षमाची	,,	काकमाची
ध्वाक्षनाशिनी	,,	हाऊबेर
धातकी	,,	धायफूल
धातुपुष्पी	,,	,,
धातुद्रावक	,,	सुहागा
धान्य	न०	धनियाँ धना
धान्यकं	,,	,,
धान्यकः	पु०	,,
धाना	स्त्री०	,,
धनियकं	न०	धना धनियां
धामार्गवः	पु०	लाल चिरचिरा
धावनी	स्त्री०	भटकटैया
धावनिगुप्ता	,,	पृष्टपर्णी
धात्री	,,	आंवरा
धात्रीपत्रं	पु०	तालीश
धीरः	,,	ऋषभक
धीरं	,,	कुंकुम
धीरा	स्त्री०	गुर्च
धुत्तरः	पु०	धतूरा
धूमगंधिका	,,	रोहिषतृण
धूर्तः	,,	धतूरा
धेनुका	स्त्री०	धना

[न]

नकुलेष्टा	स्त्री०	नाइ, रास्नाभेद
नखं	न०	नख
नखी	स्त्री०	छोटी नख
नघुष	न०	तगर
नटः	पु०	मैंनफल सोना-पाठा
नटी	स्त्री०	नाड़ी शाक, नलिका
नतं	न०	तगर
नली	स्त्री०	नाड़ी शाक
नलिका	,,	,,
नाकुली	,,	नाइ, रास्नाभेद
नागसुगंधा	,,	,,

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

नागरं	न०	सोंठ
नागपुष्पं	,,	नागकेशर
नागकेशरः	पु०	,,
नागः	,,	,,
नागकिंजलिक	,,	,,
नागबल्लरी	स्त्री०	पान
नागिनी	,,	,,
नागदेवी	,,	इन्द्री
नार्यतिक्तः	पु०	चिरायता
निर्दिग्धिका	,,	भटकटैया
निम्बः	,,	नीम
निर्मथ्या	स्त्री०	नाड़ी शाक
निशाख्या	,,	हल्दी
निशाचरः	,,	भटेउर ग्रन्थ पर्ण भेद
निष्कुटिः	पु०	इलायची
नीलपुष्पं	न०	ग्रन्थिपर्णी
नैपालः	पु०	चिरायता

[प]

पटेरकः	पु०	पटेरा
पट्टिका लोध्र	,,	लोध पठानी
पट्टी	स्त्री०	,,
पटरञ्जक	न०	वक
पञ्चांगुला	पु०	सफेद अंड
पञ्चकोलं	न०	पीपर, पीपरा-मूर, चाव, चीता, सोंठ, समान भाग
पतंग	,,	वक
पथ्या	स्त्री०	हर्र
पद्मपत्री	,,	कपूरहर्दी
पद्मपत्र	,,	पोहकरमूल
पद्मा	,,	वामनहाटी
पद्माटः	पु०	चक्रमर्द चक-वड़ के बीज
पद्मकं	न०	पद्माख
पद्मगन्धि	,,	,,
पद्माह्वय	,,	,,
पयस्विनी	स्त्री०	विदारीकंद जीवन्तीशाक
पयस्या	,,	अर्कपुष्पी
प्लीहहन्त्री	,,	हाऊबेर
पर्जन्या	,,	दारुहल्दी
पर्जनी	,,	,,
पर्पटकः	पु०	पित्तपापड़ा
पर्पटः	,,	,,
प्रस्थकाम्बष्टा	स्त्री०	माचिका
प्रबालफलं	न०	लाल चंदन
प्रवरं	,,	अगर काला
प्रतीयशः	,,	सफेद आक
प्रपौण्डरीक	,,	पुण्डरी
प्रतापनी	स्त्री०	गंधप्रसारिणी
प्रतिविषा	,,	अतीस
प्रत्यक्पर्णी	,,	दन्ती बड़ी चिरिचिरा लाल
प्रकीर्यः	पु०	कंज

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

प्रपुन्नाट	पु०	चक्रमर्द
		चकवड़ के बीज
प्रसारिणी	स्त्री०	गन्धप्रसारणी
		पसरन, खीप
प्रहारवल्ली	,,	रोहिणी
परिव्याधः	पु०	जलवेतस
परिपेलवं	नपु०	तालीस
		कैवर्ती मोथा
पृथ्वी	स्त्री०	कलौंजी
पृथ्वी का	,,	बड़ी इलायची
		हिंगुपत्री
प्रथुक	,,	हिंगुपत्री
प्रथुशिम्बः	पु०	सोना पाठा
प्रथकपर्णी	,,	पृष्टपर्णी
प्रथु	,,	हिंगुपत्री
प्रथुपलाशिका	स्त्री०	गंध पलासी
प्रथुकृष्णा	,,	कलौंजी
पृष्टिपर्णी	,,	पृष्टपर्णी
पलकषा	,,	लाख, गूगर, गुखुरू
पलांडू	पु०	प्याज
पलाशी	स्त्री०	गंधपलाशी
पवनेष्टः	पु०	लहसन
पशुमेहनकारिका	स्त्री०	चद्रशूर
पत्रं	न०	एलुवालक, पत्रज
पत्रनामकं	,,	पत्रज
पत्राढ्य	नपु०	तालीस, केवर्ती मोंथा
ाकं	,,	तिलवण

पाकक्षारः	पु०	जवाखार
पाटला	स्त्री०	पीलोपाढ़
पाटलिः	पु०	,,
पाठा	स्त्री०	पाठा
पाठिका	पु०	पाठा
पांडुरद्रुम	,,	कुड़ा
पांण्डुलोमशपर्णी	स्त्री०	उरदपर्णी
पाण्डुपुत्रो	,,	रेणुका बीज
पातालगरुड़ाह्वः	पु०	पातालगरुड़ी
पापचेलिका	स्त्री०	पाटा
प्राचीना	,,	पाठा
प्रावृषायणी	,,	कपिकच्छू
पारसीकयवानी	,,	खुराशानी
		अजवायन
पारावतपदी	,,	काकजंघा
पारिभाव्यं	न०	कूठ
पारिजातकः	पु०	फरहद
पारिभद्रः	,,	मन्दारभेद
पाविर्दी	स्त्री०	काला निशोत
पांशुपर्य्यायः	पु०	पित्त पापड़ा
पांशुलवणं	न०	रेह नमक
पाषाणभेदकः	,,	पाथरचूर
पिका	स्त्री०	पिण्डशाक
पिचुमर्दः	पु०	नीब
पिचुंदम	पु०	,,
पिंड	,,	मैंनफल
पिंडीतकः	,,	,,

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

पिंडा	स्त्री०	वंशपत्री
पिप्पली	,,	पीपर
पिप्पलीमूल	न०	पीपरामूर
प्रियंगु	,,	मालकाकुन
प्रियकरी	स्त्री०	सफेद कटैया
प्रिया	,,	गंवप्रियंगु
पिशुनं	न०	कुंकुम
पीठ	पु०	चित्रक
पीतदारु	,,	दारुहल्दी
पीतदुग्धा	स्त्री०	चौक
पीतवृक्षः	पु०	सिनग्धदेवदारु
पीतपुष्पः	,,	सहदेवी
पीतक	न०	कुंकुम
पीतरोहिणो	स्त्री०	गम्भारी
पीताभं	न०	पीला चंदन
पीता	स्त्री०	दारुहल्दी-हल्दी
पीलुपर्णी	,,	मूर्वा
पोवरी	,,	शितावर-उलट कम्बल,शालपर्णी
पुर्ननवा	,,	श्वेत पुर्ननवा
प्रपुन्नाट	,,	चक्रमर्द चकवड़ के बीज
पुरः	पु०	गूगर
पुष्करमूल	न०	पोहकरमूल
पुरष्करम्	,	,,
पुष्पवस्ता	स्त्री०	हाऊबेर
पूतना	,,	हर्र
पूतिका	पु०	कञ्ज
पूतिकरञ्जः	,,	कंज
पूतिफली	स्त्री०	बाकुची
पोटगलः	पु०	नलसर नरकुल कांस
पोंडरीकं	न०	पुडेरो, चोरक
पौंडर्य्यं	,,	,,
पौष्करम्	,,	पोहकरमूल

[फ]

फञ्जी	स्त्री०	भारङ्गी
फेन	पु०	समुद्रफेन
फलत्रिकं	न०	त्रिफला
फलिनी	स्त्री०	प्रियंगु, मालकाकुन
फलेरुहा	,,	पील पाठ, पाटल
फलेपुष्पा	,,	गूमा

[ब]

बधू	स्त्री०	गंधपलासी मेदाकचूर
कंध्याककोंटी	,,	वाभूखसा ककोराकन्द
ब्रह्मदर्भा	,,	अजवायन
ब्रह्मकुशा	,,	अजमोद
ब्रह्माण्डकी	,,	ब्रह्मी
ब्रह्मसूदुर्लभा	,,	हुरहुरा रक्त
बलभद्रः	,,	त्रायमाना
बत्या	,,	गंधप्रसारणी
वलामोटा	,,	नागदमनी
ब्राह्मणयष्टिका	,,	भारङ्गी

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) : Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

ब्राह्मणी	स्त्री०	रार, पिण्डशाक
ब्राह्मी	,,	ब्राह्मी
वहुपत्रिका	,,	मेंथी
बहुवीजा	,,	,,
वहुपर्णी	,,	वनमेंथी
वहुपुष्पी	,,	धाय
बहुला	,,	वड़ी इलायची
बहुमूलकं	,, नं०	वोरणकंद-उसीर
वहुसुता	,,	सितावर
वहुफला	,,	आंवला, आलू-बुखारा
वहुपत्रा	,,	आंवला, आखुकर्णी
बहुवीर्या	,,	,,
वामपुष्पा	,,	चन्द्रशूर
वालपूतिका	,,	माचिका
वालम्	न०	सुगन्धवाला
वालकं	,,	,,
वालार्कः	पु०	श्वेत आक
वाल्हिका	स्त्री०	मछेछी
वोधिनी	,,	मेंथी

[भ]

भंगरा	स्त्री०	अतीस
भंडी	,,	मजीठ
भंडोरी	,,	,,
भंडीतकी	,,	,,
भद्रयवः	पु०	इन्द्रजौ
भद्रः	पु०	सफेद चन्दन
भद्रभुस्त	,,	सरपत
भद्रमुस्ता	स्त्री०	नागरमोंथा
भद्रपर्णी	,,	गम्भारी, गंध-प्रसारिणी
भद्रा	,,	चंद्रशूर कैफरा गंध-प्रसारिणी
भद्रवती	,,	कैफरा
भद्रैला	,,	वड़ी इलायची
भृगुभवा	,,	भारङ्गी
भृङ्गमं	न०	तेजपात
भृङ्गराजः	,,	घमरा
भृङ्गरज	,,	,,
भृङ्गारः	,,	,,
भल्ली	स्त्री०	भिलावा
भल्लातकः	पु०	,,
भरमगंधा	स्त्री०	रेणुका
भार्गवी	,,	नील दूर्वा
भिक्षुः	पु०	तालमखाना
भिन्नपांजनी	स्त्री०	पाषाणभेद, गेरू
भिषङ्गमाता	,,	अरूसा
भीरु	पु०	शितावर
भुजङ्गाक्षी	स्त्री०	नाई, रास्ना भेद
भूकदम्बिका	,,	मुण्डी
भूनिम्वः	पु०	चिरायता
भूतजटा	स्त्री०	जटामांसी

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

भूतृणं	न०	भूतृण, कतृण
भूतोकं	,,	रोहिषतृण भूतृण
भूरिफेना	स्त्री०	थूहर, सेहुँड़भेद

[म]

मकूलकः	पु० स्त्री०	दन्ती छोटी
मगलनामधेया	,,	जीवशाक
मंगल्या	,,	बच, गोरोचन
मञ्जिष्ठा	,,	मजीठ
मंजूषा	,,	मजीठ
मंडूकपर्णी	,,	ब्राह्मी
मंडली	,,	गुर्च
मत्स्यगंधा	,,	हाऊबेर
मत्स्यशकला	,,	कुटकी
मत्स्यपित्ता	,,	,,
मत्स्याक्षी	,,	मछेछी
मन्था	,,	मेंथी
मन्थपाकं	न०	काला नमक
मदनः	पु०	मैंनफल, धतूरा
मन्दार	,,	श्वेत आक
मधुरा	स्त्री०	सोंफ, मेंथी
मधुपर्णिका	,,	नील, गम्भारी
मधुपर्णी	,,	गुर्च
मधुपूती	,,	पीलीपाठ
मधुरसा	,,	गम्भारी
मधुश्रवा	,,	जीवशाक
मधूकपर्णी	,,	सोनापाठी
मधूलिका	स्त्री०	मोरेठो
मयूरविदला	स्त्री०	आमडा
मयूरकः	पु०	चिरचिरा
मयूरः	,,	अजमोद
मृगनाभि	,,	कस्तूरी
मृगमदः	,,	,,
मृगादिनी	स्त्री०	इन्द्रवारुणी
मृगाक्षी	,,	,,
मृगैवारूः	,,	,,
मर्कटी	,,	कञ्चो, दोंदिया चिरचिरा
मरिचं	न०	मिर्च
मरुन्यालो	पु०	पिण्डशाक
मरुवकः	,,	मैंनफल
मल्लिकापुष्प	,,	कुड़ा
म्लेक्षकन्दः	,,	लहसन
मलयजः	,,	सफेद चंदन
मस्कर	,,	वांस
मस्तदारु	न० ,,	देवदारु
मसूरबिदला	स्त्री० ,,	कालानिशोत
महती	,, ,,	भटकटैय्या
महाकुसुमिका	,,	गम्भारी
महासहा	,,	उरदपर्णी
महामोही	,,	धतूरा
महानिम्ब	,,	बकायन
महाबला	स्त्री०	सहदेवी
महाशतावरी	,,	महाशितावर
महाफला	,,	इन्द्रवारुणी
महाश्रावणिका	,,	मुण्डी

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

महिषाक्षः	पु०	गूगर
महिलाह्वया	,,	प्रियंगु
महोदरी	स्त्री०	महाशितावर
महोष्ट्री	,,	भटकटैया
महोषधं	न०	सोंठ, लहसन
मागधी	स्त्री०	पीपर
माणिमन्थं	न०	सेंधा नमक
मातुलानी	स्त्री०	भांग
मातुलः	पु०	धतूरा
मातुल पुत्रकः	,,	धतूरे का फल
मालत फल	न०	जायफर
मालव	पु०	लहसन
मालूरः	,,	बेल
मालातृणकं	न०	भूतृण
माषपर्णी	स्त्री०	उरदपर्णी
मांसरोहिणो	,,	रोहिणी
मिथिनी	,,	मेंथी
मिश्रपुष्पा	,,	मेंथी
मिश्रेया	,,	सोंफ, सोवा
मिसि	पु०	सोंफ, सोया
मुकुन्दः	,,	मुचकुंद, गेरू
मुखदूषकः	,,	प्याज
मुद्गपर्णी	,,	मुद्गपर्णी
मुञ्ज	,,	मूंज
मुञ्जातकः	,,	,,
मुण्डतिका	स्त्री०	मुण्डी
मुण्डी	,,	,,
मुष्कं	,,	मौंथा
मुस्तकं	न०	मौंथा
मुस्तावत	,,	कंवर्ती मौंथा
मोचकः	,,	सहजना
मोघा	स्त्री०	पीलीपाठ
मोक्षकः	,,	सफेद पाठ मोखा

[य]

यवसाह्वया	स्त्री०	अजवाइन
यवनदेशजः	पु०	शिलारस
यवनेष्ट	,,	प्याज
यवफल	,,	कूठ
यवं	न०	जौ, इन्द्रजौ
यष्टीमधुं	,,	मौरेठी
यष्ठीमधुक	,,	,,
यष्ठी	स्त्री०	,,
यवक्षारः	पु०	जवाखार
यवाग्रजः	,,	,,
यवानिका	स्त्री०	अजवायन
यवासः	पु०	जवासा
यज्ञधूपः	,,	राल
यज्ञभूषणः	,,	कुश
यावः	,,	लाख
यासः	,,	जवासा
याम्य	,,	कूट
यावशूकः	,,	जवाखार
युक्तरसा	स्त्री०	रास्ना
युगपत्रकः	पु०	रक्त कचनार
योगजं	न०	अगर
योगेश्वरी	स्त्री०	ककोराकन्द

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

योजनबल्ली	स्त्री०	मजीठ
योषित्प्रिया	,,	हल्दी

[र]

रक्तम्	न०	कुंकुम
रक्तांगी	स्त्री०	मजीठ
रक्तांगम्	न०	लाल चन्दन कबोला
रक्तचन्दन	,,	लालचन्दन ,,
रक्तयटिष्टका	स्त्री०	मजीठ
रक्तसारम	न०	बक, पतंग
रञ्जना	स्त्री०	श्वेत पापड़ा
रञ्जन	न०	बक, पतंग
रसगर्भम्	,,	रसोत
रसना	स्त्री०	बाइसुरई
रस्या	,,	,,
रसा	,,	,,
रसायनी	,,	मजीठ
रसाञ्जन	न०	रसोत
रसाम्लं	,,	चूक
रसोन	,,	लहसन
रसोनकः	पु०	लहसन
राजपुत्री	स्त्री०	रेणुकाबीज
राजवृक्षः	पु०	अमलतास
राजहं	न०	अगर
रामठ	,,	हींग
रामसेनक	पु०	चिरायता
रालः	,,	राल
रास्ना	स्त्री०	बाइसुरई
रोगाह्वयं	न०	कूट
रोहिणी	स्त्री०	हर्र,कुटकी
रोमकं	न०	सांभर नमक

[ल]

लघु	न०	उशीरवत पीत वर्ण तृण
लघु पञ्चमूल	,,	शालिपर्णी,पृष्टपर्णी,दोनों कटेली,गुखुरू
लज्जालु	पु०	लजवन्ती
लता	स्त्री०	मालकाकुन प्रियंगु
लतालघु	पु०	पिण्डशाक
लवंग	न०	लौंग
लयं	,,	उशीरवत पीत वर्ण तृण
लशुनः	पु०	लहसुन
लक्ष्मणा	स्त्री०	सफेद कटैया
लांगुली	,,	कलिहारी
लामज्जकं	न०	उशीरवत पीत वर्ण तृण
लाक्षा	स्त्री०	लाख
लाक्षाप्रसादनः	पु०	पठानीलोध
लोध्र	पु०	लोध
लोमशः	स्त्री०	बच
लोहं	न०	अगर

[व]

वरवर्णिनी	स्त्री०	हल्दी
तेजद्रुमः	पु०	सिहुंड़ा

GC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

वज्रांगी	स्त्री०	हरसिंगार
वजी	,,	सिहुडा
वटपत्र	,,	पाषाणभेद
वत्सकः	,,	कुढ़ा
वत्सादिनो	,,	गुर्च कलिहारी
वदरा	,,	असगंध हुरहुरा
वधू	,,	पिण्डशाक
बनजः	पु०	तुम्बुरफला
वनिता	स्त्री०	मेंहदी
वनश्रङ्गाटक	,,	गुखरू
वन्हिज्वाला	,,	धायफूल
वन्हिशिख	न०	कुंकुम
वन्या	स्त्री०	गोरोचन
वन्दा	,,	वन्दा पेड़ों पर एक वृक्ष होता है
वन्दाकः	पु०	,,
व्यङ्गा	स्त्री०	कोंच वीज
वयस्था	,,	कलिहारी, हर्रं
व्याधिघात	पू०	अमलतास
व्याघ्रनर्ख	न०	नख
व्याघ्रायुध	,,	,,
व्याघ्री	,,	भटकटैया
व्याघ्रपुच्छः	,,	लालअंड,सफेदअंड
व्याल	,,	चित्रक
व्योषः	,,	त्रिकुटा
व्यामपौरम	,,	कतृण
वृत्तकोषः	,,	देवदाली
वृत्तफलः	,,	लाल चिरचिरा
वृत्ता	स्त्री०	रोहिणी
वृद्धं	न०	भूरिछरीला
वृषभः	पु०	ऋषभक
वृप	,,	अमूमा
वृष्या	,,	कपिकच्छू
वृषकेतुः	,,	लाल पुनर्नवा
वृहतपंचमूल	न०	बेल, सोनापाठा गंभारी, पीलीपाठ अग्निमन्थ सहित
वृहती	स्त्री०	भटकटैया
वृहत्पत्र	पु०	लोध
वृहद्वेला	स्त्री०	बड़ीइलायची
वृक्षकः	पु०	कूठ
वृक्षभक्ष्या	स्त्री०	वन्दा
वृक्षरुहा	,,	,,
वृक्षादिनीं	,,	,,
वृक्षामयः	पु०	लाख
वृक्षधूपका	,,	सरलका गोंद गूगरभेद
वर्द्धमानः	,,	सफेद अंड
वर्हिणम्	,,	पिण्ड तगर
वर्हिष्टम्	,,	सुगन्धवाला
वर्हिः	,,	थूहर, ग्रन्थिपणी भेद, कुश
वर्हः	,,	,,
वरतिक्तका	स्त्री०	पाठा
वरदा	,,	असगंध
वरतिक्तः	पु०	पित्तपापड़ा

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

वरम्	न०	कुंकुम
वरा	स्त्री०	त्रिफला
वरांगम्	न०	तेजपात
वराहबदना	स्त्री०	बिदारीकन्द
वराहकर्णी	,,	असगन्ध
वरी	,,	शितावर,दंतीबड़ी
वल्लरी	,,	मेंथी
वंशलोचना	,,	वंशलोचन
वंशजा	,,	,,
वंशक्षीरी	,,	,,
वंशपत्री	,,	जीरा वंशपत्री
वंश	पु०	वांस
वशिरः	न० स्त्री०	गजपीपर समूद्रफेन
वंशिकः	न०	अगर
वसिर	पु०	लालचिरचिरा
वसुकः	,,	सफेद आक
वस्त्ररञ्जनी	स्त्री०	मजीठ
वस्त्ररञ्जक	पु०	कुंकुम
वह्निवक्त्रा	,,	कलिहारी
वाजिनामा	,,	असगन्ध
वाजिदन्ता	स्त्री०	अरूसा
बाट्या	,,	वरिअरा
वाट्यालिका	,,	,,
वाड्यालका	,,	,,
बाणः	पु०	मूंज, सरपत
वातारिः	,,	लाल अंड सफेद अंड
वाथं	न०	कूट
वायसी	,,	काकमाची करञ्जी
वाराहांगी	स्त्री०	दन्ती छोटी
वारिदनामक	न०	मोंथा
वारुणी	स्त्री०	इन्द्रवारुणी
वार्ताकी	,,	फलकटैया
वाल्हीकं	न०	हींग, कुंकुम
वालेयं	,,	कैवर्तीमोंथा
वाशिका	,,	अरूसा
वासकः	पु०	अरूसा
वासा	स्त्री०	,,
वांसी	,,	वंशलोचन
विकसा	,,	रोहिणी
विकशा	,,	मजीठ
विकीरण	पु०	सफेद आक
विक्षीरिणी	,,	दुधी
विजया	,,	भाँग, हर्रे
विड	न०	विडनोनवाग्रविरंग
वितुन्नकं	,,	कैवर्तीमोंथा,धना
विदारिगंधा	,,	शालपर्णी
विदुलः	,,	वेत, थूहर सेहुड़ाभेद
विदारी	स्त्री०	विदारीकन्द
विद्रुमलता	,,	नलिका
विभीतक	पु०	बहेरा
विमला	स्त्री०	थूहर,सेंहुड़ा
विल्वः	पु०	बेल

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji). Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

विश्वक सेनाङ्गना स्त्री० गंधप्रियंगु
विश्वा न० सोंठ
विशल्या स्त्री० दन्ती, छोटी गुर्च, कलिहारी
विश्वभेषजं न० सोंठ
विश्व स्त्री० सोंठ, अतीस
विशाला ,, इन्द्रवारुणी
विषघ्नी ,, हाऊबेर
विषपुष्यका ,, मैंनफल
विषनाशिनी स्त्री० नाइ,रास्नाभेद
विषकंटकिनी ,, वांझ ककोड़ाकंद
विषमुष्टिक पु० वकायन, कुचिला
विष्णुकान्ता स्त्री० लता विशेष
विषा ,, अतीस
विषाणी ,, मेढ़ासिंगी, ऋषभक
विषपहा ,, वीरणतरु
वीरवल्ली ,, रोहिणी
वीरणं न० वीरणतरु
वीरतरु पु० ,,
वीरं न० वीरणतर
वीरवृक्षा पु० भिलावा
वेणी स्त्री० देवदाली
वेणु पु० वांस
वेतसः ,, वेत
वेदमुख्यः स्त्री० कस्तूरी
वेल्लजं न० कालीमिर्च
वेल्लम् ,, वायविरङ्ग
वेजयन्तिका स्त्री० जैत, इन्नी
वैणवी ,, वंशलोचन

[श]

शक्रपुष्पी स्त्री० कलिहारी
शक्रशाखी ,, कूठ
शकुलादिनी ,, कुटकी, जलपोपर
शकुलालकः पु० गंड दूर्वा
शंखपुष्पी ,, शंखपुष्पी
शंखाव्हा ,, ,,
शटी स्त्री० कचूर
शठी ,, कपूरकचरी, दारुहल्दी
शणपुष्पी ,, अरहर, शनपुष्पी
शतपुष्पा ,, सोफ
शतपर्वकी ,, वच
शतकुम्भा पु० सफेद कड़ेल
शतपर्वा ,, वांस
शतफली ,, वांस
शतपर्विका ,, नील दूर्वा
शतवल्ली ,, ,,
शतवीर्या ,, श्वेतदूर्वा, शितावर
शतपदी ,, शितावर
शतमुली ,, महाशितावर
शताव्हा ,, सोंफ
शंपाकः पु० अमलतास
शमीपत्रा ,, लजवन्ती
शृंगवेरा स्त्री० पटेरा
शृङ्गवेर न० अदरख, सोंठ

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

शृगो	स्त्री०	काकड़ासिंगी अतीस
श्रीः	,,	सफेद चन्दन
श्रीखंड	,,	,,
श्रीवेष्टः	,,	वेरोजा
श्रीप्रसूतकं	न०	लौंग
श्रीसज्ञं	,,	,,
श्रीफलं	,,	वेल
श्रीपर्णी	स्त्री०	गम्भारी,इन्नी
श्रीपर्णिका	,,	जायफल
श्रीफली	,,	नील
श्रवणशीर्षका	,,	मूण्डी
श्रवणाह्वा	,,	,,
श्रावणी	,,	,,
श्रेयसी	,,	हर्र,गजपीपर बायसुरई
शरः	,,	रामशर सरपत्त
शरपुङ्खा	,,	सरफोंका
शरी	,,	मोंथीतृण
शल्यकः	पु०	मैंनफल
श्यामक	न०	रोहिषतृण
श्यामा	,,	गंधप्रियंगु
श्येनेष्टा	,,	दन्ती छोटी
श्योनाकः	पु०	सोना पाठा
श्वादिष्टा	स्त्री०	गुखुरू
श्वेतपुष्पा	,,	नागपुष्प
श्वेतपुष्पं	न०	निर्गुण्डी
श्वेतमरिच	,,	सहजना के वीज
श्वेत पुष्पः	पु०	सफेद आक सफेद कड़ैल
श्वेतमूला	,,	श्वेत पुनर्नवा
शष्यं	न०	नीलदूर्वा
शाकंभरीयं	,,	साम्हरिनमक
शाकश्रेष्टा	,,	जीवशाक
शाठिल्य	,,	वेल
शातला	स्त्री०	थूहर सेंहुड भेद
शारदी	,,	जल पीपर
शारिवा	,,	अनन्तमूल
शालनिर्यासः	पु०	राल
शालिपणिका	स्त्री०	मूर्वा
शालपर्णी	,,	सरिवन
शालोन	पु०	सोंफ
शालेयं	,,	,,
शावर	,,	लोध्र
शिलाटिका	स्त्री०	लालपुनर्नवा
शिलापुष्प	न०	लोवान भूर छरीला
शिव	,,	सेंधा नमक
शिवा	,,	हर्र आवला आलू
शिविः	,,	मोंथातृण
शिग्रुः	पु०	सेंजना
शीघ्रा	स्त्री०	दन्ती छोटी
शीघ्रं	न०	सेंधानोंन
शीर्णरोम	,,	ग्रंथपर्णी

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

शुकनासस	पु०	सोनापाठा
शुकं	न०	गृन्थपर्णी भेद
शुकवम्	,,	,,
शुकपुष्पं	,,	,,
शुकच्छद	,,	,,
शुक्लकन्दा	स्त्री०	अतस
शुक्लं	न०	चूक
शुक्लालं	,,	लाल आक
शुक्लाम्	,,	कैवर्ती मोंथा
शुण्ठी	स्त्री०	सोंठ
शुभा	,,	वन्शलोचन
शुभ्रा	,,	,,
शूकशिम्बी	,,	कोंच के बीज
शूनमध्य	पु०	नरकुल
शेफाली	,,	निर्गुण्डी
शैलूष	,,	बेल
शैलेयं	न०	भूर छरीला लोवना
शोणपुष्पकः	पु०	कचनार
शोणिताभिधं	न०	कुंकुम
शोथघ्नः	पु०	लाल पुनर्नवा
शोथघ्नी	स्त्री०	श्वेत पुनर्नवा
शोफकृत	,,	भिलावा
शोभांजन	पु०	सेंजना
शोषणः	,,	सोनापाठा
शोण्डी	स्त्री०	पीपर

[ष]

षडग्रन्था	स्त्री०	वच, गंध-पलासी, कांजी
षडूषणं	न०	सोंठ, मिर्च, पीपर पीपरामूर, वच, चीता समभाग

[स]

संकोचं	न०	कुंकुम
सदापुष्प	पु०	श्वेत आक
सृक्का	,,	पिण्डशाक
स्फोटा	स्त्री०	श्वेत सारिवा
स्फोट	पु०	रक्त आक
सगा	स्त्री०	लजवंती, मजीठ
समगंधिकं	न०	उशीरवोरणमूल
समस्तका	स्त्री०	अजमोद
समन्तदुग्धा	,,	सेंहुड़ा
समुद्रफेना	पु०	समुद्रफेन
समुद्रान्ता	स्त्री०	जवासा, कपास
स्रुक	,,	सेंहुड़ा
स्रुक	,,	पिण्डशाक
सर्जरस	पु०	राल शर
सर्पाक्षी	स्त्री०	नाइ, रास्नाभेद
सर्पाक्षी	,,	सरहरी
सर्वरस	पु०	राल
सर्वानुभूत	स्त्री०	श्वेत निशोत
सरणा	,,	गन्धप्रसारणी
सरलश्रावः	पु०	सरल का गोंद
सरलः	,,	स्निग्ध देवदारु श्वेत निशोत

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

शृगो	स्त्री०	काकड़ासिंगी अतीस
श्री:	,,	सफेद चन्दन
श्रीखंड	,,	,,
श्रीवेष्ट:	,,	वेरोजा
श्रीप्रसूतकं	न०	लौंग
श्रीसंज्ञं	,,	,,
श्रीफलं	,,	वेल
श्रीपर्णी	स्त्री०	गम्भारी,इन्नी
श्रीपर्णिका	,,	जायफल
श्रीफली	,,	नील
श्रवणशीर्षका	,,	मूण्डी
श्रवणाह्वा	,,	,,
श्रावणी	,,	,,
श्रेयसी	,,	हर्र,गजपीपर बायसुरई
शर:	,,	रामशर सरपत्त
शरपुङ्खा	,,	सरफोंका
शरी	,,	मोंथीतृण
शल्यक:	पु०	मैंनफल
श्यामक	न०	रोहिषतृण
श्यामा	,,	गंधप्रियंगु
श्येनेष्टा	,,	दन्ती छोटी
श्योनाक:	पु०	सोना पाठा
श्वादिष्टा	स्त्री०	गुखुरू
श्वेतपुष्पा	,,	नागपुष्प
श्वेतपुष्पं	न०	निर्गुण्डी
श्वेतमरिच	,,	सहजना के वीज
श्वेत पुष्प:	पु०	सफेद आक सफेद कड़ैल
श्वेतमूला	,,	श्वेत पुनर्नवा
शष्यं	न०	नीलदूर्वा
शाकंभरीयं	,,	साम्हरिनमक
शाकश्रेष्टा	,,	जीवशाक
शाठिल्य	,,	वेल
शातला	स्त्री०	थूहर सेंहुड भेद
शारदी	,,	जल पीपर
शारिवा	,,	अनन्तमूल
शालनिर्यास:	पु०	राल
शालिपणिका	स्त्री०	मूर्वा
शालपर्णी	,,	सरिवन
शालोन	पु०	सोंफ
शालेयं	,,	,,
शावर	,,	लोध्र
शिलाटिका	स्त्री०	लालपुनर्नवा
शिलापुष्प	न०	लोवान भूर छरीला
शिव	,,	सेंधा नमक
शिवा	,,	हर्र आवला आलू
शिवि:	,,	मोंथातृण
शिग्रु:	पु०	सेंजना
शीघ्रा	स्त्री०	दन्ती छोटी
शीघ्रं	न०	सेंधानोंन
शीर्णरोम	,,	ग्रंथपर्णी

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

शुकनासस	पु०	सोनापाठा
शुकं	न०	गृन्थपर्णी भेद
शुकवम्	,,	,,
शुकपुष्पं	,,	,,
शुकच्छद	,,	,,
शुक्लकन्दा	स्त्री०	अतस
शुक्लं	न०	चूक
शुक्लालं	,,	लाल आक
शुक्लाम्	,,	कैवर्ती मौंथा
शुण्ठी	स्त्री०	सोंठ
शुभा	,,	वन्शलोचन
शुभ्रा	,,	,,
शूकशिम्बी	,,	कोंच के बीज
शूनमध्य	पु०	नरकुल
शेफाली	,,	निर्गुण्डी
शैलूष	,,	बेल
शैलेयं	न०	भूर छरीला लोवना
शोणपुष्पकः	पु०	कचनार
शोणिताभिधं	न०	कुंकुम
शोथघ्नः	पु०	लाल पुनर्नवा
शोथघ्नी	स्त्री०	श्वेत पुनर्नवा
शोफकृत	,,	भिलावा
शोभांजन	पु०	सेंजना
शोषणः	,,	सोनापाठा
शोण्डी	स्त्री०	पीपर

[ष]

षडग्रन्था	स्त्री०	वच, गंध-पलासी, कांजी
षड्षणं	न०	सोंठ, मिर्च, पीपर पीपरामूर, वच, चीता समभाग

[स]

संकोचं	न०	कुंकुम
सदापुष्प	पु०	श्वेत आक
सृक्का	,,	पिण्डशाक
स्फोटा	स्त्री०	श्वेत सारिवा
स्फोट	पु०	रक्त आक
सगा	स्त्री०	लजवंती, मजीठ
समगंधिकं	न०	उशीरवोरणमूल
समस्तका	स्त्री०	अजमोद
समन्तदुग्धा	,,	सेंहुड़ा
समुद्रफेना	पु०	समुद्रफेन
समुद्रान्ता	स्त्री०	जवासा, कपास
स्रुक	,,	सेंहुड़ा
स्रुक	,,	पिण्डशाक
सज्जरस	पु०	राल शर
सर्पाक्षी	स्त्री०	नाइ, रास्नाभेद
सर्पाक्षी	,,	सरहरी
सर्वरस	पु०	राल
सर्वानुभूत	स्त्री०	श्वेत निशोत
सरणा	,,	गन्धप्रसारणी
सरलश्रावः	पु०	सरल का गोंद
सरलः	,,	स्निग्ध देवदारु श्वेत निशोत

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

सरस्वती	स्त्री०	ब्राह्मी
सकोहिता	,,	सेंजने के बीज
स्वर्जिका	,,	सज्जी
स्वल्पकेशरो	,,	रक्त कचनार
स्वर्णभूषणः	पु०	अमलतास
स्वर्णवल्ली	स्त्री०	स्वर्णवल्ली
स्वाद्वी	,,	दालचीनी
स्वादकंटक	पु०	गुखुरू
स्वादपर्णी	स्त्री०	दुधी
स्वर्णाङ्ग	पु०	अमलतास
स्थूलदर्भा	,,	मूंज
स्थूलवल्कलः	,,	पठानी लोध
स्थूला	स्त्री०	बड़ी इलायची
सहिता	,,	सोंफ
सहदेवी	,,	सहदेवी
सहस्रबोध	न०	हींग, चूक
सहस्राभित	पु०	कस्तूरी
सहस्रवर्या	स्त्री०	महा शितावर नीलदूर्वा
सहस्रा	,,	माचिका
सहस्राहिः	,,	मोरशिखा
सहा	,,	मुग्दपर्णी
सागरजं	न०	समुद्रफेन
सातला	स्त्री०	थूहर सेंहुँड़भेद
सानुजः	पु०	तुम्बुरुफल
सामुद्रजं	न०	समुद्रफेजं
सारा	स्त्री०	थूहर,सेंहुँड़ भेद
सारणी	,,	गन्धप्रसारणी
सारिवा	,,	अनन्तमूल
सावरः	पु०	लोध
सिता	स्त्री०	विदारीकंद शकर
सिताभ्रः	पु०	कपूर
सितछत्रा	,,	सौंफ
सिन्दुकः	,,	निर्गुण्डो
सिन्दुवार	,,	,,
सिन्दुवारकः	,,	,,
सिल्हिकः	,,	शिलारस
सिंहतुण्डः	,,	सिंहुड़ा
सिंहपुच्छी	स्त्री०	पृष्टपर्णी
सिंहपर्ण	पु०	अरूसा
सिंहास्या	,,	,,
सिंहिका	,,	,,
सिंही	,,	फलकटैया
सुखवर्चिकः	,,	सज्जी
सुगन्धं	न०	भूतृण
सुगन्धः	पु०	कालाजीरा'शिला रस, कुन्दुर गोंद
सुगन्धम्	न०	ग्रन्थपर्णी भेद
सुगन्धिः	,,	एलबालुक
सुगन्धा	स्त्री०	रास्ना, श्याम-शारिवा
सुदर्शना	,,	सुदर्सन
सुधा	,,	चूना सेंहुँड़ा

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

सुनालं	न०	उशीरवत पीत वर्ण तृण
सुर्णिका	स्त्री०	वाकुची
सुभिक्षा	,,	धाय
सुमेखलः	पु०	मूंज
सुरसा	स्त्री०	रास्ना, नाइ
सुरभी	,,	कपूर, हल्दी
सुरतारका	,,	,,
सुरंग	न०	वच
सुरभूरुहः	पु०	देवदारु
सुरभिदारुक	,,	स्निग्ध देवदारु
सुरभिः	,,	मूर्वा
सुरभितः	स्त्री०	कपूर, हल्दी
सुलोमशा	,,	काकजंघा
सुवर्चला	,,	हुरहुरा
सुवहा	,,	नाइ, निर्गुण्डी
सुवृता	,,	गन्धद्रव्य गन्धपलासी
सुषवी	,,	कलौंजी
सूषिरा	,,	नलिका
सुषेणिका	,,	कलानिशोथ
सूच्यग्रः	पु०	कुश
सूर्यपर्णिका	स्त्री०	मुद्गपर्णी माषपर्णी
सूर्यभक्ता	,,	हुरहुरा
सूर्यवर्ता	,,	,,
सूक्ष्मपत्रः	पु०	,,
सूक्ष्मा	स्त्री०	छोटी इलायची
सेव्यं	न०	उशीर वीरण तृण
सेव्यं	,,	उशीरवतपीत-वर्ण तृण
सेहुण्डः	पु०	सिहुँड़ा
सोमवल्ली	स्त्री०	गुर्च, वाकुची
सोम्या	,,	शालपर्णी
सोमवल्लकः	पु०	घोडाकञ्च
सोमक्षीरी	स्त्री०	सोमलता
सोमराजी	,,	वाकुची
सोमा	,,	गुर्च
सौगन्धिकं	न०	कतृण रोहिष तृण
सौभाग्यं	,,	सुहागा
सौमलता	स्त्री०	सोमवल्ली
सौमवल्ली	,,	,,
सौरः	पु०	तुम्बुरु फल (तेजबल फल)
सौरभः	,,	,,
सौवर्चलं	न०	काला नोन

[ह]

हलिका	स्त्री०	रार
हदविलासिनी	,,	नखी
हनुः	पु०	नखी
हयपुच्छिका	स्त्री०	उरदपर्णी

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

हरिद्रा	स्त्री०	हल्दी
हरिद्रः	पु०	दारुहल्दी
हरिचन्दनं	न०	चन्द नपीला (पतंग)
हरिवियं	,,	,,
हरिवालुकं	,,	एलवालुक एलुआ
हरिविग्रह	स्त्री	धमासा
हरीतकी	,,	हर्र
हृद्विलासिनी	,,	हल्दी
हृद्गवेधुका	,,	गुलसकरी गगेरन
हलदी	,,	हल्दो
हलिनि	,,	कलिहारी
हबुषा	,,	हाऊबेर
हस्तिवारुणी	,,	कञ्जो आदि
हंसपदी	,,	हंसपदी, हंसराज
हंसपादी	,,	हंसराज
हिंगु	पु०	हींग
हिंगुनिर्यासः	,,	नील
हिंगुली	स्त्री०	भटकटैया
हिंगुपत्री	,,	हिंगुपत्री
हिंगुसवारिका	,,	वंशपत्री
हिज्जलः	पु०	इञ्जल निर्मली
हिमवालुकाः	स्त्री०	कपूर
हिमनाम	न०	,,
हिमावती	स्त्री०	चोक
हिमावती	,,	गम्भारी
ह्रीबेरं	न०	सुगन्धबाला
हेतुः	पु०	महाशितावर
हेमक्षीरी	स्त्री०	चोक,सत्यानाशा,बंगकटेरी
हेमाह्वा	,,	,,
हेमवती	,,	हर्र, चोक (वंग कटेरी)

[क्ष]

क्षारः	पु०	यवक्षार जवाखार
क्षारद्वयं	न०	सज्जी, जवाखार
क्षाराष्टक	,,	ढांक, अपामार चिरचिरा, आक, थूहर यव, सज्जी,सुहागा
क्षारत्रयं	,,	साहागा, जवाखार, सज्जी
क्षीरवल्ली	स्त्री०	विदारीकन्द
क्षीरशुक्ला	,,	,,
क्षीरा	,,	दुधी
क्षुद्रचन्दन	न०	लाल चन्दन
क्षुद्रपत्रः	पु०	डाभ
क्षुद्रभटाकी	,,	कटैया छोटेफल
क्षुद्रभद्रा	,,	भटकटैया
क्षुद्रवर्षाभू	,,	लालपुनर्नवा
क्षुद्रा	,,	भटकटैया
क्षुरः	,,	तालमखाना
क्षुरकः	,,	गुखरू,तालमखाना

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

क्षेत्रदूतिका	,,	सफेद फूलवाली कटैया

[त्र]

त्र्यूषणं	न०	त्रिकुटा
त्रायामाना	स्त्री०	त्रायमाण
त्रायन्ती	,,	,,
त्रिकुटः	पु०	त्रिकुटा
त्रिकण्टः	,,	गुखुरू
त्रिकण्टक	,,	,,
त्रिजातं	न०	दालचीनी इलायची, पत्रज
त्रिपर्णी	स्त्री०	शालपर्णी
त्रिपुटा	,,	श्वेत निशोथ
त्रिपादिका	,,	हंसपदी हंसराज
त्रिवृता	,,	श्वेत निशोथ
त्रिवृता	,,	,,
त्रिश्वफला	,,	आंवला

॥ इति 'वैद्यक शब्द-कोष' समाप्तम् ॥

सचित्र इञ्जैक्शन विज्ञान

का प्रथम भाग

इस ग्रन्थ में इञ्जैक्शन की समस्त विधियां चित्रों के सहित समझा कर बताई गई है, किस तरह इञ्जैक्शन लगाने में सावधानी, सफाई रखनी चाहिये, अपने नाम की अभूतपूर्व पुस्तक है, करीब ८० चित्रों वाली का दाम ५) रु० है।

द्वितीय भाग–में इञ्जक्शन बनाने का विधान, द्रव्य के गुण-धर्म और प्रभाव उपचारादि बड़े मार्के के साथ वर्णित हैं, संसार में अपने विषय की अनूठी बेजोड़ पुस्तक है, मू० ५) रु०।

दोनों भाग लेने वालों को सिर्फ ८) रु० में मिलेगी, इञ्जैक्शन के शौकीनों को पूर्णत शिक्षित और सफल बनाने का प्रधान साधक होगी।

श्री हरिहर प्रेस बरालोकपुर इटावा यू० पी०।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

श्री हरिहर प्रेस द्वारा प्रकाशित किये हुये कुछ

वैद्योपयोगी ग्रन्थ-रत्न

१— राजयक्ष्मा—तपेदिक को मिटाने के सरल व उत्तम योग, मू० ।।)

२—दमा—श्वास को दूर करने की अत्यन्तोपयोगी चिकित्सा, मू० ।=)

३—अर्श रोग—सब प्रकारके ववासीर व मस्से मिटाने के उपाय, मू० १)

४—हरिधारित ग्रन्थ रत्न—समस्त रोगों के सुलभ योग भाषा टीका सहित इसमें वर्णित हैं, कीमत लागत मात्र ।=) आने की है।

५—प्लीहा—तिल्ली रोगकी अपूर्व पुस्तक वैद्यों के पढ़ने योग्य है मू० =)

६—सिद्धौषधि प्रकाश—अनेक अनुभवी योगों का बड़ा संग्रह है, पुस्तक आयुर्वेद समाज को उन्नति करने वाली है मू० २) रु० ही है।

७—स्त्री रोग चिकित्सा—स्त्रियों के समस्त रोगों का वर्णन और आज-आइश किये हुये अनुभूत प्रयोग भी हैं। मू० सिर्फ १) रु० ही है।

८—व्रणोपचार पद्धति—समस्त प्रकार के घावों का इलाज है मू० ।।)

९—वैद्यक शब्द कोष—काष्ठौषधियों के नाम संस्कृत से हिन्दी भाषा में वर्णित हैं, श्लोक लगाने और उनके अर्थ समझने में बहुत उपकारी है मू० ।।) आना।

१०—पेटेन्ट औषधें और भारतवर्ष—(प्रथम-भाग व द्वितीय-भाग) इसमें समस्त पेटेन्ट ओषधियों के योग वर्णित हैं, जो कि अपनी अजमा-इस की हुई है, इस पुस्तक ने वैद्य-समाज में बहुत मान पाया है मूल्य सिर्फ १।।) रुपया है।

११—सरलरोग-विज्ञान—इसमें आयुर्वेदीय, यूनानी व आंग्ल के निदानों का संग्रह है। शरीर के तमाम रोगों का संविस्तार वर्णन है, इतना होने पर भी इस वृहत काय ग्रन्थ का मू० ५) रु० है।

१२—आयुर्वेदीय विश्व-कोष—यह तीन भागों में विभक्त है। जिसमें आयुर्वेदीय, यूनानी, ऐलोपैथिक चिकित्सा के निदान व रसायन शास्त्र, निघन्टु एवं शरीर पर वेदकाल से लेकर आजतक की तह-कीकातों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है। भारत में इस ढङ्ग का कोई भी 'कोष' नहीं निकला, प्रत्येक भाग की पृष्ठ संख्या ८०० के लगभग है, प्रत्येक भाग का मू० १५-१५ रुपया है।

मिलने का पता—श्री हरिहर प्रेस बरालोकपुर इटावा।

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prābhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

आयुर्वेदीय विश्व-कोष

[प्रथम-भाग]

यह आयुर्वेद साहित्य में एक वेजोड़ पुस्तक है, जिसमें अकारादि क्रम से हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, फार्सी, एलोपैथी के शब्दों का हिन्दी में वर्णन, अक्षर क्रम से रोग विज्ञान, लक्षण, चिकित्सा, अनुभवी योग आदि ज्ञातव्य विषयों से ओत-प्रोत है, प्रत्येक वैद्य एवं चिकित्सक के लिये अमोल निधि है, प्राणों से अधिक गोप्यातिगोप्य ग्रन्थ है एक वार देखने पर ही इसकी विशेषता मालूम होगी, आज ६-७ साल से यह भाग समाप्त हो जाने से हजारों पत्र आये अतः हर्षान् हमें ऐसे दुर्दिन में जब कागज आदि की विशेष असाध्यता थी, बड़ी मुश्किल से कागज खरीद कर छापा है, २२×२९ साइज, ८०० पृष्ठों सहित ग्रन्थ का दाम १५) रु० है, तीनों द्वितीय और तृतीय भाग छपे हुये तैयार हैं।

प्रत्येक भाग का दाम १५) है, तीनों भागों का दाम ४५) नेट है, इस पर कोई कमीशन नहीं, प्रत्येक भाग पर पोष्ट व्यय ३) रु० अलग लगेगा, तीनों भाग रेल से ही भेज सकेंगे, आधा दाम २५) रुपया मनिआर्डर से प्रथम भेजने पर ही भेजा जावेगा।

मिलने का पता—

अनुभूत-योगमाला आफिस,

बरालोकपुर-इटावा यू० पी०।

श्री हरिहर प्रेस बरालोकपुर इटावा में मुद्रित।

CC-0. Swami Anandanand Giri (Prabhuji). Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri

CC-0. Swami Atmanand Giri (Prabhuji) . Veda Nidhi Varanasi. Digitized by eGangotri